समाज में लिंग-भेद पर आधारित कार्य-विभाजन के बारें में विद्यार्थियो के दृष्टिकोण का अध्ययन

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल
एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
उपाधि हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2007-2008

मार्गदर्शक
[illegible] चंद्रवंशी साहू
[illegible] शिक्षा विस्तार विभाग

शोधकर्ता
ओलंपी [illegible]
एम.एड. [illegible]

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

समाज में लिंग–भेद पर आधारित कार्य–विभाजन के बारें में विद्यार्थियो के दृष्टिकोण का अध्ययन

D-262

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल
एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
उपाधि हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2007–2008

मार्गदर्शक
सारिका चंद्रवंशी साजू
व्याख्याता (शिक्षा विस्तार विभाग)

शोधकर्ता
सोलंकी जयेन्द्रसिंह
एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा–पत्र

मैं सोलंकी जयन्द्रसिंह बी. एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करता हूँ कि **''समाज में लिंग–भेद पर आधारित कार्य–विभाजन के बारे में विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन''** नामक शीर्षक पर लघु शोध प्रबंध 2007–08 में मैनें सारिका चंद्रवंशी साजू (व्याख्याता) शिक्षा विस्तार विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

इस शोध में किये गये प्रदत्त एवं सूचनाऐं विश्वसनीय स्त्रोंतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त की गई है। तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2007–08 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। इस लघु शोध का उपयोग अन्य उपाधी के लिये प्रस्तुत नहीं किया जायेगा।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 17 अप्रैल 2008

शोधकर्ता
सोलंकी जयन्द्रसिंह
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सोलंकी जयेन्द्रसिंह बी. एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.) बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल ने **''समाज में लिंग भेद पर आधारित कार्य–विभाजन के बारे में विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन''** लघु शोध प्रबंध मेरे मार्गदर्शन में विधिवत् पूर्ण किया है। लघु शोध मौखिक है जो इनकी लगन और निष्ठा से किया गया प्रयास है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल सत्र 2007–08 में स्नातकोत्तर उपाधि एम.एड. परीक्षा की उपाधि हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान : क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
दिनांक : 17 अप्रैल 2008

मार्गदर्शक
सारिका चंद्रवंशी साजू
व्याख्याता (शिक्षा विस्तार विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध कार्य के निर्देशन का सम्पूर्ण श्रेय मेरी मार्गदर्शक सारिका चंद्रवंशी साजू व्याख्याता, (शिक्षा विस्तार विभाग), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को देता हूँ। जिनके निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन में यह शोध कार्य पूर्ण हो सका है। जिन्होनें मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से समय निकालकर एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया हैं, अतः मैं उनका ऋणी हूँ।

मै क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान के प्राचार्य प्रो. ए.बी. सक्सेना, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा अधिष्ठाता प्रो. एस.ए. शफी एवं विभागाध्यक्ष प्रो.जी.एन.प्रकाश श्रीवास्तव के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ। एम.एड. प्रभारी डॉ.बी.रमेश बाबू सर का भी उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूँ।

मैं मेरे करीबी मित्र हितेश, हरेश, मनसुख, रूचा, अब्दुलरब तथा सभी सहपाठियों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोध कार्य के दौरान सहयोग के लिए आभारी हूँ। अपने आदरणीय माता-पिता, भाई तथा परिवार के शुभचिन्तकों को जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होनें मेरे अध्ययन में महात्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु तन-मन-धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

शोधकर्ता
सोलंकी जयेन्द्रसिंह बी.
एम.एड.(प्रारंभिक शिक्षा) छात्र
क्षेत्रीय शिखा संस्थान, (N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

स्थान : क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
दिनांक : 17 अप्रैल 2008

अनुक्रमणिका

अध्याय		पृष्ठ संख्या
अध्याय –I	**प्रस्तावना**	**01–19**
1.1	भूमिका	01
1.1.1	प्राचीन भारत में कार्य विभाजन	02
1.1.2	आधुनिक भारत में कार्य विभाजन	02
1.1.3	विद्यार्थियों का दृष्टिकोण	03
1.1.4	लिंग–भेद	04
1.2	स्वतंत्रता से पूर्व स्त्री शिक्षा और स्त्री का स्थान	05
1.3	कार्य–योजना 1992 तथा महिला शिक्षा	13
1.4	महिला समख्यान	15
1.5	अध्ययन की आवश्यकता	16
1.6	समस्या का कथन	17
1.7	अध्ययन के उद्देश्य	17
1.8	परिकल्पना	17
1.9	तकनिकी शब्दों की परिभाषाएँ	18
1.10	समस्या का सीमांकन	19
अध्याय –II	**सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन**	**20–27**
2.1	भूमिका	20
2.2	पूर्व शोधकार्य का आकलन	20
2.2.1	एम.एड. छात्रों द्वारा किया गया अनुसंधान कार्य	21
2.2.2	पाठ्यपुस्तक, जर्नल एवं सामायिक	25

अध्याय -III	**शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया**	28–33
3.1	भूमिका	28
3.2	न्यादर्श का चयन	28
	3.2.1 न्यादर्श का विवरण	29
3.3	चर	29
3.4	उपकरण	30
3.5	प्रदत्तों का संकलन	31
3.6	सांख्यिकी का उपयोग	33
अध्याय -IV	**प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या**	34–40
4.1	भूमिका	34
4.2	प्रदत्तों का विश्लेषण	35
अध्याय -V	**शोध निष्कर्ष एवं सुझाव**	41–44
5.1	भूमिका	41
5.2	अध्ययन के उद्देश्य	41
5.3	परिकल्पना	41
5.4	समस्या के मुख्य परिणाम	42
5.5	निष्कर्ष	42
5.6	सुझाव	43
5.7	भविष्य के लिए सुझाव	45
	संदर्भग्रन्थ सूची	47
	परिशिष्ट	
	लिंग–भेद पर आधारित कार्य–विभाजित चित्र	
	कार्य–विभाजन परीक्षण	

तालिका सूची

		पृष्ठ संख्या
3.2.1	न्यादर्श का विवरण	29
3.4.1	कार्य–विभाजन परीक्षण में सम्मिलित किये गये घटक प्रश्न क्रमांक और प्रश्न का प्रतिशत प्रमाण	31
4.2.1	लिंग–भेद, कार्य–विभाजन परीक्षण के प्राप्तांक आवृत्ति एवं प्रतिशत को वर्ग अंतराल में प्रदर्शित किया है	36
4.2.2	कक्षा आठवीं के छात्र एवं छात्राओं के लिंग भेद पर आधारित कार्य–विभाजन संबंधित दृष्टिकोण के मध्यमान, मानक विचलन, एवं 'टी' प्राप्तांक निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है।	38
4.2.3	कक्षा आठवीं के ग्रामीण एवं शहरी छात्रों में लिंग–भेद पर आधारित कार्य–विभाजन संबंधित दृष्टिकोण के मध्यमान, मानक विचलन, एवं 'टी' प्राप्तांक निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है।	39

आकृति सूची

		पृष्ठ संख्या
4.2.1	लिंग–भेद कार्य–विभाजन परीक्षण के प्राप्तांक एवं आवृत्ति को निम्न स्तभां कृति द्वारा प्रदर्शित किया है।	36